साहित्य अकादमी की राजस्थानी युवा कवियों की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित

18 December 2020 01:37 PM

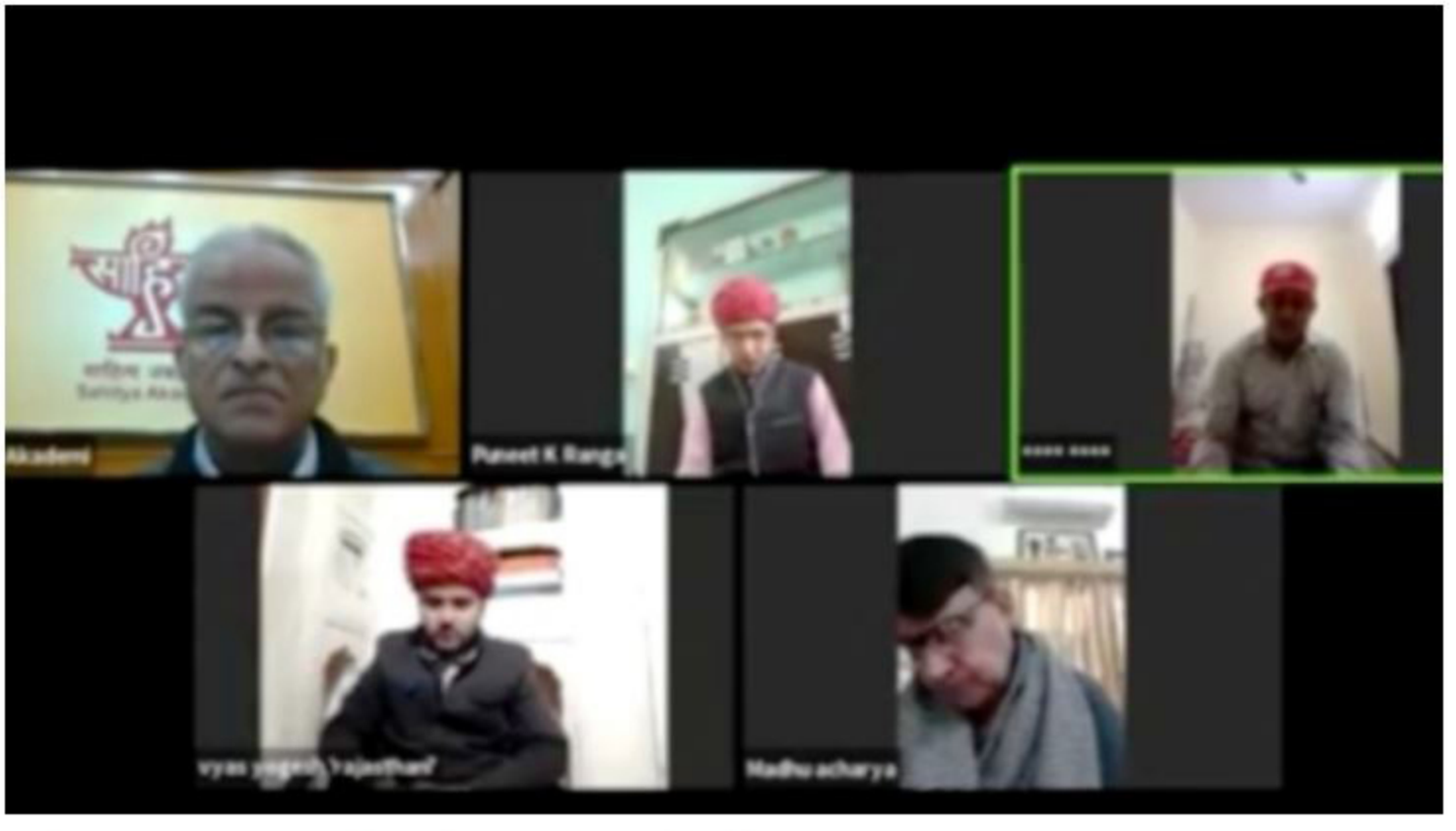

आधुनिक संवेदना ने रचनाओं का तेवर बदला- मधु आचार्य

टीबा टीबा पीव दरसण नै भाजी आंख्या

बीकानेर,18 दिसम्बर । साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की वेबलाइन साहित्य सीरीज में आज राजस्थानी युवा कवियों की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें भीलवाड़ा के मोहन पुरी और बीकानेर के पुनीत रंगा व व्यास योगेश राजस्थानी ने काव्य पाठ किया। अकादमी के राजस्थानी भाषा प्रभारी ज्योतिकृष्ण वर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि अकादमी सभी मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में ऑनलाइन आयोजन कर रही है। इस दौर में साहित्य आयोजन का यही जरिया है।

युवा काव्य गोष्ठी में सबसे पहले भीलवाड़ा के मोहन पुरी ने काव्य पाठ किया। उन्होंने राजस्थानी गज़ल ' टीबा टीबा पीव दरसण ने भाजे आंख्या ' के अलावा दो गीत सुनाये। पुनीत रंगा ने आधुनिक संवेदना की कविताओं का पाठ किया। व्यास योगेश राजस्थानी कविताएं सुनाई।

साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य ' आशावादी ' ने कविताओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राजस्थानी की युवा कविता भविष्य के प्रति आश्वश्त करती है। आधुनिक संवेदना ने रचनाओं का तेवर बदला है। रचनाकारों ने अकादमी सचिव के श्रीनिवास राव, राजस्थानी परामर्श मंडल का आभार जताया। अकादमी की तरफ से ज्योतिकृष्ण वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

टीबा टीबा पीव दरसण नै भाजी आंख्या
युवा साहिती काव्य गोष्ठी से पढ़ें सीधी खबर

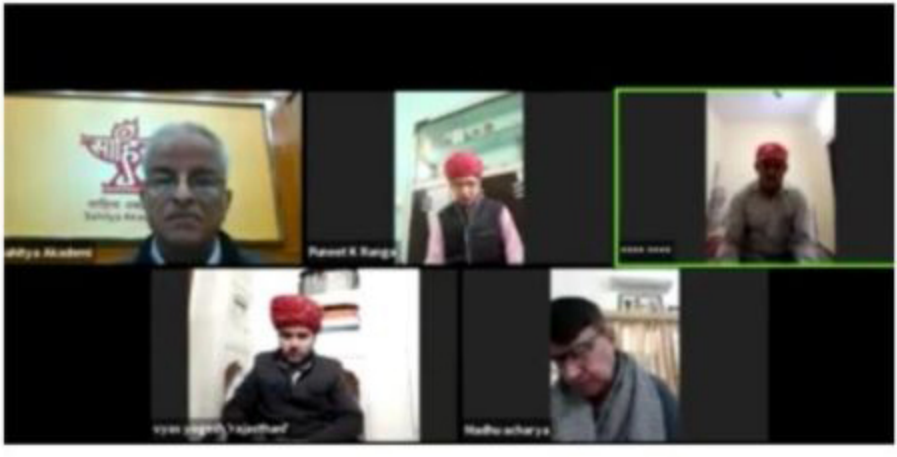

श्रीडूंगरगढ़ टाइम्स 18 दिसम्बर 2020। साहित्य अकादमी नई दिल्ली की वेबलाइन साहित्य सीरीज में आज राजस्थानी युवा कवियों की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें भीलवाड़ा के मोहन पुरी और बीकानेर के पुनीत रंगा व व्यास योगेश राजस्थानी ने काव्य पाठ किया। अकादमी के राजस्थानी भाषा प्रभारी ज्योतिकृष्ण वर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि अकादमी सभी मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में ऑनलाइन आयोजन कर रही है। इस दौर में साहित्य आयोजन का यही जरिया है।

युवा काव्य गोष्ठी में सबसे पहले भीलवाड़ा के मोहन पुरी ने काव्य पाठ किया। उन्होंने राजस्थानी गज़ल · टीबा टीबा पीव दरसण ने भाजे आंख्या · के अलावा दो गीत सुनाये। पुनीत रंगा ने आधुनिक संवेदना की कविताओं का पाठ किया। व्यास योगेश राजस्थानी कविताएं सुनाई। साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य · आशावादी · ने कविताओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राजस्थानी की युवा कविता भविष्य के प्रति आश्वश्त करती है। आधुनिक संवेदना ने रचनाओं का तेवर बदला है। रचनाकारों ने अकादमी सचिव के श्रीनिवास राव, राजस्थानी परामर्श मंडल का आभार जताया। अकादमी की तरफ से ज्योतिकृष्ण वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जोधपुर बीकानेर अपडेट

साहित्य अकादमी की युवा साहिती काव्य गोष्ठी... टीबा टीबा पीव दरसण नै भाजी आंख्या

DEC 18, 2020

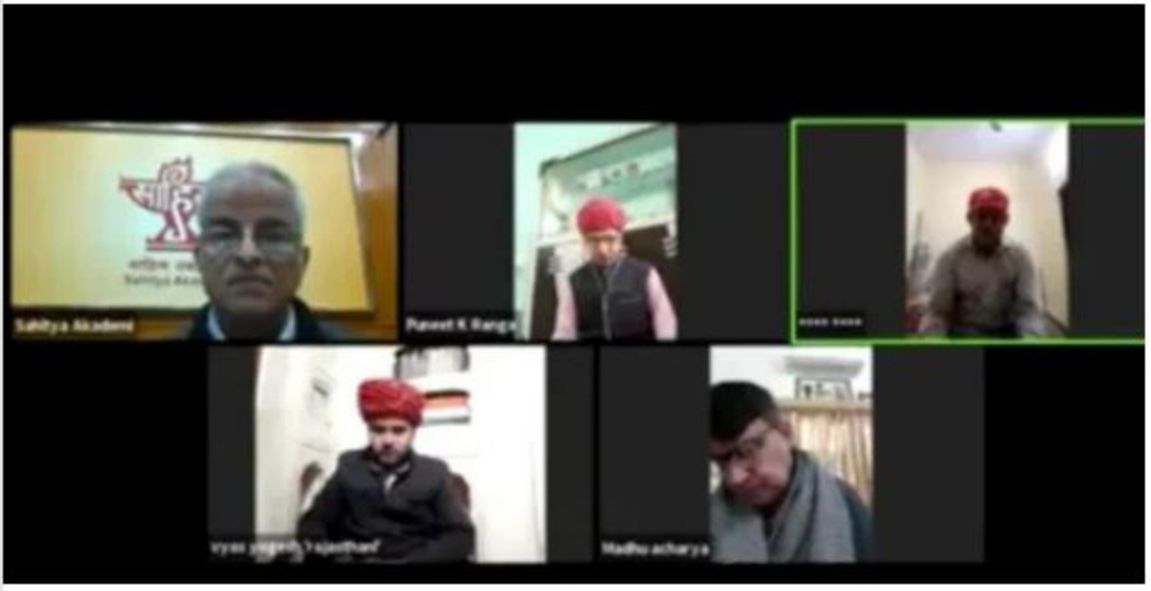

Tp न्यूज़। बीकानेर। साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की वेबलाइन साहित्य सीरीज में आज राजस्थानी युवा कवियों की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें भीलवाड़ा के मोहन पुरी और बीकानेर के पुनीत रंगा व व्यास योगेश राजस्थानी ने काव्य पाठ किया।

अकादमी के राजस्थानी भाषा प्रभारी ज्योतिकृष्ण वर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि अकादमी सभी मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में ऑनलाइन आयोजन कर रही है। इस दौर में साहित्य आयोजन का यही जरिया है।

युवा काव्य गोष्ठी में सबसे पहले भीलवाड़ा के मोहन पुरी ने काव्य पाठ किया। उन्होंने राजस्थानी गज़ल ' टीबा टीबा पीव दरसण ने भाजे आंख्या ' के अलावा दो गीत सुनाये। पुनीत रंगा ने आधुनिक संवेदना की कविताओं का पाठ किया। व्यास योगेश राजस्थानी कविताएं सुनाई।

साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य ' आशावादी ' ने कविताओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राजस्थानी की युवा कविता भविष्य के प्रति आश्वश्त करती है। आधुनिक संवेदना ने रचनाओं का तेवर बदला है। रचनाकारों ने अकादमी सचिव के श्रीनिवास राव, राजस्थानी परामर्श मंडल का आभार जताया। अकादमी की तरफ से ज्योतिकृष्ण वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

कोरोना अपडेट्स | खटाखट स्टोरी | दुनिया | देश | बीकानेर | मनोरंजन | राजस्थान

साहित्य अकादमी की युवा साहिती काव्य गोष्ठी, टीबा टीबा पीव दरसण नै भाजी आंख्या

आपणी हथाई *December 18, 2020*

आपणी हथाई न्यूज, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की वेबलाइन साहित्य सीरीज में आज राजस्थानी युवा कवियों की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें भीलवाड़ा के मोहन पुरी और बीकानेर के पुनीत रंगा व व्यास योगेश राजस्थानी ने काव्य पाठ किया।

अकादमी के राजस्थानी भाषा प्रभारी ज्योतिकृष्ण वर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि अकादमी सभी मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में ऑनलाइन आयोजन कर रही है। इस दौर में साहित्य आयोजन का यही जरिया है।

युवा काव्य गोष्ठी में सबसे पहले भीलवाड़ा के मोहन पुरी ने काव्य पाठ किया। उन्होंने राजस्थानी गज़ल ' टीबा टीबा पीव दरसण ने भाजे आंख्या ' के अलावा दो गीत सुनाये। पुनीत रंगा ने आधुनिक संवेदना की कविताओं का पाठ किया। व्यास योगेश राजस्थानी ने कविताएं सुनाई।

साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य ' आशावादी ' ने कविताओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राजस्थानी की युवा कविता भविष्य के प्रति आश्वश्त करती है। आधुनिक संवेदना ने रचनाओं का तेवर बदला है। रचनाकारों ने अकादमी सचिव के श्रीनिवास राव, राजस्थानी परामर्श मंडल का आभार जताया। अकादमी की तरफ से ज्योतिकृष्ण वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

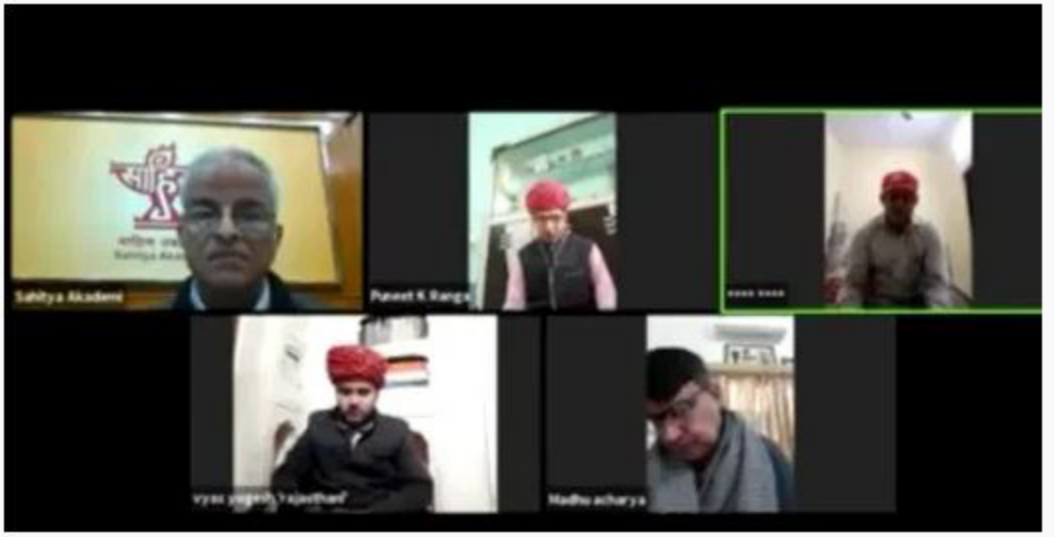

कला व साहित्य | नई दिल्ली | बीकानेर | राजस्थान | राज्य

राजस्थानी काव्य: साहित्य अकादमी की युवा साहित्य काव्य गोष्ठी "टीबा टीबा पीव दरसण नै भाजी आंख्या".....

December 18, 2020 Sarjit Singh Comments Off

बीकानेर। साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की वेबलाइन साहित्य सीरीज में आज राजस्थानी युवा कवियों की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें भीलवाड़ा के मोहन पुरी और बीकानेर के पुनीत रंगा व व्यास योगेश राजस्थानी ने काव्य पाठ किया।

अकादमी के राजस्थानी भाषा प्रभारी ज्योतिकृष्ण वर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि अकादमी सभी मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में ऑनलाइन आयोजन कर रही है। इस दौर में साहित्य आयोजन का यही जरिया है।

युवा काव्य गोष्ठी में सबसे पहले भीलवाड़ा के मोहन पुरी ने काव्य पाठ किया। उन्होंने राजस्थानी गज़ल ' टीबा टीबा पीव दरसण नै भाजे आंख्या ' के अलावा दो गीत सुनाये। पुनीत रंगा ने आधुनिक संवेदना की कविताओं का पाठ किया। व्यास योगेश राजस्थानी कविताएं सुनाई।

साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य ' आशावादी ' ने कविताओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राजस्थानी की युवा कविता भविष्य के प्रति आश्वश्त करती है। आधुनिक संवेदना ने रचनाओं का तेवर बदला है। रचनाकारों ने अकादमी सचिव के श्रीनिवास राव, राजस्थानी परामर्श मंडल का आभार जताया। अकादमी की तरफ से ज्योतिकृष्ण वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

साहित्य अकादेमी की युवा सहिती में मोहन, पुनीत और योगेश का काव्यपाठ

December 18, 2020

लॉयन न्यूज,बीकानेर।

साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की वेबलाइन साहित्य सीरीज में आज राजस्थानी युवा कवियों की ऑनलाइन काव्य गोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें भीलवाड़ा के मोहन पुरी और बीकानेर के पुनीत रंगा व व्यास योगेश राजस्थानी ने काव्य पाठ किया।

अकादमी के राजस्थानी भाषा प्रभारी ज्योतिकृष्ण वर्मा ने अपने संबोधन में बताया कि अकादमी सभी मान्यता प्राप्त 24 भाषाओं में ऑनलाइन आयोजन कर रही है। इस दौर में साहित्य आयोजन का यही जरिया है।
युवा काव्य गोष्ठी में सबसे पहले भीलवाड़ा के मोहन पुरी ने काव्य पाठ किया। उन्होंने राजस्थानी ग़ज़ल ' टीबा टीबा पीव दरसण ने भाजे आंख्या ' के अलावा दो गीत सुनाये। पुनीत रंगा ने आधुनिक संवेदना की कविताओं का पाठ किया। व्यास योगेश राजस्थानी कविताएं सुनाई।

साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मंडल के संयोजक मधु आचार्य ' आशावादी ' ने कविताओं पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राजस्थानी की युवा कविता भविष्य के प्रति आश्वश्त करती है। आधुनिक संवेदना ने रचनाओं का तेवर बदला है। रचनाकारों ने अकादमी सचिव के श्रीनिवास राव, राजस्थानी परामर्श मंडल का आभार जताया। अकादमी की तरफ से ज्योतिकृष्ण वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।